नईदुनिया

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सजा पर फैसला 10 जनवरी को

न्यूयॉर्क

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हश मनी केस में 10 जनवरी को अदालत के समक्ष पेश होना होगा। जस्टिस जुआन एम. मर्चन ने इस केस में सजा पर फैसला सुनाने के लिए यही तारीख मुर्करर की है। अदालत ने शुक्रवार को एक पोर्न स्टार को चुप रहने के लिए रकम देने के आरोप में ट्रंप को दोषी ठहराया ।

जस्टिस जुआन एम. मर्चन ने संकेत दिया कि वह ट्रंप को बिना शर्त बरी करने के पक्ष में हैं। उन्होंने सजा की तारीख तय करते हुए ट्रंप को व्यक्तिगत रूप से या वर्चुअली उपस्थित होने का आदेश दिया। सनद रहे, नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप 20 जनवरी को शपथ ग्रहण करेंगे। विधि विशेषज्ञों का मानना है कि उन्हें सजा मिलेगी इसकी संभावना नहीं है।

ट्रंप की 10 जनवरी की पेशी अमेरिका के इतिहास में अलग तरह का परिदृश्य रखेगी। ट्रंप से पहले किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति को किसी मामले में दोषी नहीं ठहराया गया है। उन्हें शर्मनाक अपराध में दोषी के तौर पर अदालत में पेश होना होगा। वह दोषी के तौर पर राष्ट्रपति पद को शोभायमान करने वाले पहले व्यक्ति होंगे।

मैनहट्टन जूरी मई में उन्हें व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के 34 मामलों में दोषी ठहरा चुकी है। जस्टिस मर्चन ने शुक्रवार को जूरी के फैसले को पलटने से इनकार करते हुए ट्रंप के इस दावे को खारिज कर दिया कि उनकी चुनावी जीत से उनकी सजा रद्द हो जानी चाहिए।

विधि वेत्ताओं का कहना है कि इससे साफ है कि अदालत ने उन्हें बेदाग छवि के साथ व्हाइट हाउस लौटने का अवसर देने से इनकार कर दिया।

सजा की तारीख मुर्करर होने के तुरंत बाद ट्रंप के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने कहा कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति को महत्वपूर्ण कर्तव्यों को निष्पादित करने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्हें कोई सजा भी नहीं होनी चाहिए। मैनहट्टन जिला अटॉर्नी कार्यालय के एक अधिकारी (जिसने ट्रंप पर मुकदमा चलाया) ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

माइक जॉनसन फिर अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर चुने गए

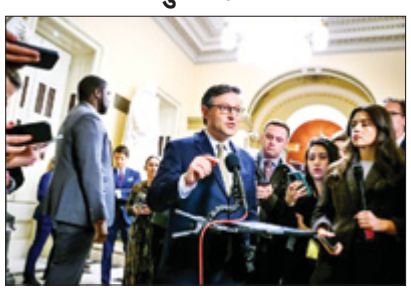

वाशिंगटन। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन से रिपब्लिकन पार्टी के नेता और सांसद माइक जॉनसन को शुक्रवार को दोबारा अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा का स्पीकर चुना गया। उन्होंने तीन मतों के मामूली अंतर से जीत दर्ज की। रिपब्लिकन पार्टी के पास सदन में 219, डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 215 सीट हैं। लुइसियाना के चौथे कांग्रेशनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले 52 वर्षीय जॉनसन को 218 और डेमोक्रेटिक पार्टी के हकीम जेफ्रीज को 215 वोट मिले। डोनाल्ड ट्रंप ने जॉनसन को दोबारा स्पीकर चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि अभूतपूर्व विश्वासमत हासिल करने के लिए माइक जॉनसन को बधाई। जॉनसन ने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है। स्पीकर चुने जाने के फौरन बाद जॉनसन ने 119वीं कांग्रेस के सदस्यों को शपथ दिलाई। सूत्रों के हवाले से प्रसारित खबर में कहा कि ट्रंप ने राल्फ नॉर्मन और कीथ सेल्फ को जॉनसन के पक्ष में मतदान करने के लिए राजी किया। नॉर्मन और सेल्फ के मत ने जॉनसन की जीत का मार्ग प्रशस्त किया।

भारत के साथ चल रहे तनाव के बीच बांग्लादेश दुश्मन को बना रहा दोस्त

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशहाक डार ने ऐलान किया है कि वह अगले महीने बांग्लादेश का दौरा करेंगे, जो 2012 के बाद किसी पाकिस्तानी मंत्री का पहला दौरा होगा। यह ऐलान पिछले महीने काहिरा में डी-8 शिखर सम्मेलन के इतर पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ और बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस की मुलाकात के कुछ सप्ताह बाद किया है। पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार 2012 में ढाका की यात्रा करने वाली पाकिस्तान की आखिरी विदेश मंत्री थीं। इस्लामाबाद में डार ने कहा कि 3-5 फरवरी तक मलेशिया दौरे से लौटने के बाद उनके 5 फरवरी या उसके बाद बांग्लादेश जा सकते हैं। यह देखते हुए कि पाकिस्तान और बांग्लादेश हसीना सरकार के पतन के बाद अपने संबंधों में सुधार का प्रयास कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि बांग्लादेश एक खोए हुए भाई की तरह है। हमारा लक्ष्य आर्थिक और व्यापार सहयोग को मजबूत करना है। डार ने काहिरा में एक बैठक के दौरान यूनुस और अपने बांग्लादेशी समकक्ष से अपने निमंत्रण का भी जिक्र किया। उन्होंने पुष्टि की कि यूनुस ने पारस्परिक रूप से सहमत तारीखों पर इस्लामाबाद की यात्रा करने के पाकिस्तान के निमंत्रण को भी स्वीकार कर लिया है। पिछले साल 5 अगस्त को छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शन के बाद तत्कालीन पीएम शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद यूनुस ने मुख्य सलाहकार के रूप में कार्यभार संभाला था। नई-नई दोस्ती के बाद करांची से पहला सीधा मालवाहक जहाज नवंबर के बीच में बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह पर पहुंचा था, जिसके बारे में अधिकारियों ने कहा कि यह द्विपक्षीय व्यापार में एक बड़ा कदम है। दूसरा मालवाहक जहाज दिसंबर के अंत में पाकिस्तान से बांग्लादेश पहुंचा। बांग्लादेश ने पहले ही पाकिस्तान से जल्द ही सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने की घोषणा की है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान से 1971 के मुद्दों को सुलझाने के लिए कहा था ताकि ढाका को भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमेशा के लिए इस्लामाबाद के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि मुद्दे बार-बार आते रहे हैं।

कनाडा में लिबरल पार्टी और प्रधानमंत्री ट्रूडो के खिलाफ असंतोष

ओटावा। कनाडा में इस साल अक्टूबर में होने वाले चुनाव से पहले देश की राजनीति में हलचल मची हुई है।

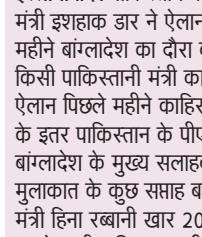

प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के नेतृत्व को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं और कुछ सर्वे उनके लिए मुश्किलें पेश कर रहे हैं। सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के प्रति समर्थन में कमी दिखाई दे रही है, और पार्टी सांसदों के बीच ट्रूडो के नेतृत्व को लेकर असंतोष भी बढ़ रहा है। इन सब के बीच, प्रधानमंत्री ट्रूडो की छुट्टियां खत्म हो चुकी हैं, लेकिन वह 16 दिसंबर से सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं। यह तारीख महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसी दिन उनकी सबसे भरोसेमंद सहयोगी और कनाडा की वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने अचानक इस्तीफा दे दिया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रूडो ने छुट्टियों का अधिकांश समय पश्चिमी कनाडा के एक स्की रिसॉर्ट में बिताया, और जनवरी के पहले सप्ताह में उन्होंने किसी भी आधिकारिक सार्वजनिक उपस्थिति की योजना नहीं बनाई है। उन्होंने अपने भविष्य के कदम की भी घोषणा नहीं की है।

पाकिस्तान के कुर्रम में फिर भड़की हिंसा, गोलीबारी में उपायुक्त घायल

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले के उपायुक्त जावेदुल्ला महसूद बागान इलाके में हुई गोलीबारी में घायल हो गए। उपायुक्त महसूद जिले में दो कबायली समूहों के बीच छिड़े सशस्त्र संघर्ष को खत्म कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

खबर के अनुसार, बागान इलाके में युद्धरत जनजातियों के बीच एक जनवरी को हुए शांति समझौता होने के बाद अशांत क्षेत्र में फिर हिंसा भड़क उठी। क्षेत्र में शांति बहाल करने के प्रयासों में अहम भूमिका निभा रहे डिप्टी कमिश्नर को अस्पताल ले जाया गया है।

बताया गया है कि जिला उपायुक्त महसूद के नेतृत्व में आवश्यक वस्तुओं के वाहनों का काफिला पाराचिनार के लिए रवाना हुआ। ताल-पाराचिनार सड़क पर पहुंचते ही काफिले पर हुई गोलीबारी में महसूद घायल हो गए। सनद रहे, पहली जनवरी को हुए शांति समझौते के बाद पाराचिनार सहायता भेजने पर सभी पक्षों ने सहमति जताई थी।

इस गोलीबारी की घटना पर खैबर पख्तूनख्वा के मुख्य सचिव नदीम असलम चौधरी ने कहा कि शांति समितियां काफिले की सुरक्षा सुनिश्चित करने और समझौतों का पालन सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं। समितियों में स्थानीय निवासी, आदिवासी बुजुर्ग और सभी संप्रदायों और समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले राजनीतिक नेता शामिल हैं।

सरकारी सूत्रों ने खुलासा किया कि स्थानीय निवासियों ने चरणबद्ध प्रक्रिया के तहत 15 दिन के भीतर अपने हथियार सौंपने का वादा किया है। बंकरों को एक माह में नष्ट करने का लक्ष्य है। इस जिले में संघर्ष विराम लागू करने के लिए लंबे समय तक जिरगा में विचार-विमर्श हुआ है।

कुर्रम जिले में अलीजई और बागान कबायली समूहों के बीच संघर्ष 22 नवंबर को तब शुरू हुआ, जब पाराचिनार के पास यात्री वैन के काफिले पर हमला हुआ था। इस हमले में 47 लोग मारे गए थे।

इजरायल ने सीरिया में मिसाइल फैक्ट्री पर हमले की जिम्मेदारी स्वीकारी

तेल अवीव। इजरायल ने सितंबर महीने में सीरिया के मस्याफ क्षेत्र में एक मिसाइल निर्माण फैक्ट्री पर हमले की जिम्मेदारी स्वीकार की है। इस हमले को इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) के ऑपरेशन डीप लेयर के तहत अंजाम दिया गया था। यहां के एक स्थानीय दैनिक अखबार के मुताबिक इजरायली सेना ने इस ऑपरेशन की पुष्टि की, जो सीरिया में बशर अल-असद शासन के पतन के कुछ सप्ताह बाद हुआ था। रिपोर्ट के अनुसार, यह फैक्ट्री ईरान की थी, और असद सरकार के ईरान के साथ घनिष्ठ संबंध थे। सीरिया की इस फैक्ट्री का उपयोग ईरान द्वारा हिजबुल्लाह के लिए सटीक मिसाइलों के निर्माण हेतु किया जा रहा था, और असद सरकार ने ईरान को सीरिया की जमीन पर हिजबुल्लाह को हथियार बनाने और वितरित करने की अनुमति दी थी। इजरायली वायुसेना की शालदाग यूनिट के कमांडो ने 8 सितंबर को इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। इसका मुख्य उद्देश्य सीरिया के मस्याफ क्षेत्र में स्थित वैज्ञानिक अध्ययन और अनुसंधान केंद्र को नष्ट करना था, जिसे पांच साल से अधिक समय से इजरायल द्वारा निगरानी में रखा गया था। इस ऑपरेशन के दौरान इजरायली सैनिकों ने सीरिया के पश्चिमी समुद्र तट से करीब 45 किलोमीटर दूर स्थित फैक्ट्री में हेलीकॉप्टर से हमला किया। उन्होंने फैक्ट्री के गेट पर तैनात कुछ गार्डों को मार डाला और फिर मिसाइल निर्माण केंद्र में घुसकर विस्फोटक सामग्री रखी।

इथोपिया में 5.5 तीव्रता का आया भूकंप, ज्वालामुखी के फटने से तबाही की आशंका

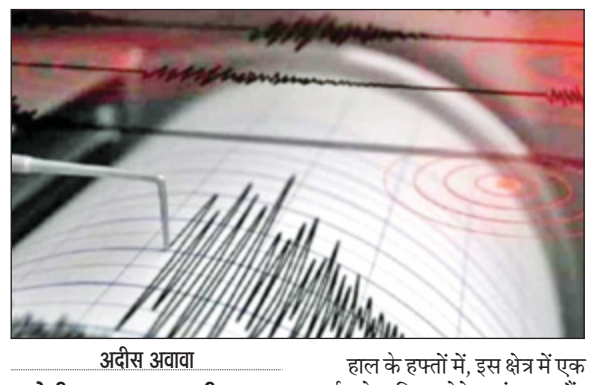

अदीस अवावा

यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक इथोपिया में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 10 किमी (6.21 मील) की गहराई पर था। इससे पहले दिन में, अनादोलु अजांसी ने इथियोपिया के केंद्रीय माउंट डोफन में ज्वालामुखी विस्फोट की सूचना दी। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस क्षेत्र में हाल ही में लगातार छोटे-छोटे झटके महसूस किए गए हैं। लगातार आने वाले इन झटकों ने संभावित बड़ी आपदा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। खास तौर पर अवाश फेंटाले क्षेत्र में, जो अदीस अबाबा से लगभग 142 मील (230 किमी) दूर है।

हाल के हफ्तों में, इस क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक छोटे भूकंप आए हैं। इससे निवासियों को इस मुद्दे पर चिंता हो रही है। राज्य के स्वामित्व वाली फना ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार क्षेत्रीय प्रशासक अब्दु अली ने कहा है कि अधिकारी जोखिम वाले निवासियों को सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित करके हताहतों को रोकने के प्रयास कर रहे हैं। अली ने बताया कि भूकंप के झटके जारी हैं और अधिक शक्तिशाली होते जा रहे हैं।

सबसे हालिया झटके रात में अदीस अबाबा में महसूस किए गए। उन्होंने कहा कि क्रेटर से धुआं निकलना बंद हो गया है। लेकिन ज्वालामुखी से लावा अभी भी बह रहा है।

उन्होंने कहा कि लोगों और मवेशियों को निकाला गया है, लेकिन उन्होंने संख्या नहीं बताई। एडिस स्टैंडर्ड के अनुसार, सितंबर के अंत से अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इस क्षेत्र में 67 से अधिक भूकंप दर्ज किए हैं।

विशेष रूप से फैंटेल क्षेत्र में जो ग्रेट रिफ्ट वैली का हिस्सा है। प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों ने समाचार पत्र को बताया कि 30 से अधिक घर ढह गए हैं, जहां भूकंप के झटके अधिक बार और अधिक हिंसक हो गए हैं। एक स्थानीय निवासी ने समाचार पत्र को बताया, घर दिन-प्रतिदिन ढह रहे हैं।

आसमान में ड्रोन का विस्फोट

रूस के यूक्रेन पर हमले के बीच, रूसी ड्रोन हमले के दौरान कीव के आसमान में एक ड्रोन का विस्फोट देखा गया।

बांग्लादेश में तफ़सीरुल कुरान महफ़िल में भगदड़, तीस घायल

ढाका

बांग्लादेश में तीन दिवसीय तफ़सीरुल कुरान महफ़िल के आखिरी दिन शुक्रवार रात मची भगदड़ में कम से कम 30 लोग घायल हो गए। इनमें एक व्यक्ति की हालत नाजुक बताई जा रही है। यह हादसा जशोर जिला के शरशा उपजिला के पुलेरहाट में एड-दीन सकीना मेडिकल कॉलेज अस्पताल और उसके आसपास हुआ।

शुक्रवार रात मशहूर वक्ता मिज़ानुर रहमान अज़हरी का भाषण होना था। उन्हें सुनने के लिए अप्रत्याशित रूप से बहुत अधिक लोग पहुंच गए। इस वजह से भगदड़ मची।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घायलों में से नौ को जशोर जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिन्हें भगदड़ के दौरान कुछ ज्यादा चोट आई है, उनमें 32 वर्षीय मैनुल इस्लाम, 18 वर्षीय उस्मान गनी, 21 वर्षीय जियान, मार्जान, 18 वर्षीय इब्राहिम, 40 वर्षीय मसूद, 26 वर्षीय सईदुल और 28 वर्षीय लबली शामिल हैं।

भगदड़ में घायल मैनुल इस्लाम ने बताया कि वह रात करीब आठ बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, लेकिन मुख्य द्वार बंद था। कार्यक्रम स्थल में प्रवेश करने का इंतजार करते समय उन्हें किसी ने पीछे से धक्का दिया गया।

उनके गिरते ही अराजकता फैल गई। लोग आगे वालों को रौंदते हुए बढ़ने लगे। जशोर जनरल हॉस्पिटल इमरजेंसी की डॉक्टर डॉ. जुबैदा इस्लाम ने कहा कि घायलों में शामिल अफीफा की हालत सबसे गंभीर है।

महामारी के चलते श्मशानों पर लाशों का ढेर लगा, फिर भी झूठ पर झूठ बोल रहा है चीन

बीजिंग

कई बार प्रमाणित हो चुका है कि चीन झूठ बोलने में माहिर है। कोरोनाकाल में तमाम सबूत होने के बाद भी वो झूठ बोलता रहा। इस बार भी चीन में कोरोना वायरस जैसी बीमारी ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) तेजी से फैल रही है। वहां के अस्पताल मरीजों से भरे पड़े हैं। यहां तक श्मशानों में भी शवों की दफनाने के लिए लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं, लेकिन चीन इस बात को मानने के लिए तैयार नहीं है।

उसने सोशल मीडिया पर प्रसारित इस तरह के वीडियो को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि जैसा दिखाया जा रहा है, वैसा कुछ भी नहीं। बीजिंग ने तो यहां तक कह दिया कि विदेशी टूरिस्टों के लिए चीन पूरी तरह से सुरक्षित है। चीन का यह बयान ठीक वैसा ही है, जैसा कि उसने पांच साल पहले कोरोना के समय दिया था। उसने कभी नहीं माना कि कोविड-19 वायरस उनके देश से फैला। चीन ने शुक्रवार को देश में बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप की खबरों को कमतर बताया, यह कहते हुए कि इस साल सर्दियों में होने वाली सांस संबंधी बीमारियों के मामले पिछले साल की तुलना में कम गंभीर हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेशियों के लिए चीन की यात्रा करना बिल्कुल सुरक्षित है।

चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मीडिया को चीन में इन्फ्लूएंजा ए और अन्य श्वसन बीमारियों के प्रसार पर एक सवाल के जवाब में बताया, उत्तर गोलार्ध में सर्दियों के मौसम के दौरान श्वसन संक्रमण का प्रकोप बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, बीमारियां पिछले साल की तुलना में कम गंभीर और छोटे पैमाने पर फैलती दिख रही हैं। उन्होंने कहा, मैं आपको आश्वस्त कर सकती हूं कि चीनी सरकार चीनी नागरिकों और चीन में रहने वाले विदेशियों के स्वास्थ्य की परवाह करती है। चीन में यात्रा करना सुरक्षित है।

चीन ने विश्व की पहली सैटेलाइट आधारित अल्ट्रा-रिमोट सर्जरी डेवलप की

बीजिंग। चीन ने हाल ही में सेटेलाइट और रोबोट के जरिए सर्जरी किया है। चीन ने एक उन्नत किस्म की चिकित्सा विकसित की है। चीन ने विश्व की पहली सैटेलाइट आधारित अल्ट्रा-रिमोट सर्जरी डेवलप की है। चीन को इसके जरिए सर्जरी में सफलता मिली है। इसकी मदद से युद्ध के मैदान में घायल सैनिकों का आसानी से इलाज किया जा सकेगा। चीन की सरकारी टीवी के अनुसार, पृथ्वी से 36,000 किमी ऊपर एपस्टार-6डी ब्रॉडबैंड कम्यूनिकेशन उपग्रह का उपयोग करते हुए पीपुल्स लिबरेशन आर्मी जनरल अस्पताल के डॉक्टरों ने तिब्बत के ल्हासा, युन्नान के दाली और हैनान के सान्या से दूर से पांच ऑपरेशन किए। चीन ने बीजिंग में रहने वाले मरीजों के लीवर, गॉलब्लैडर या अग्न्याशय की सर्जरी की। ये सर्जरी स्वदेशी सर्जिकल रोबोट सिस्टम की सहायता से की गई। सर्जरी सफल रहा, सभी मरीज ठीक हो गए और अगले दिन उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। चीनी मीडिया के सर्जरी के दौरान रोबोट को डाटा ट्रांसफर में कुल 1,50,000 किलोमीटर की दूरी तय की। यह घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों मोर्चों पर पहली बार हुआ। चीन का यह सैटेलाइट शल्य चिकित्सा चीन के पर्वतों और जलडमरूमध्य तक फैली हुई है। यह चीन के घरेलू उपग्रह टेक्नोलॉजी और रोबोट प्रणालियों का उपयोग करके लंबी दूरी के जटिल ऑपरेशन को सफल अंजाम देती हैं।